

भारत सरकार
रेल मंत्रालय

लोक सभा
27.11.2024 के
अतारांकित प्रश्न सं. 361 का उत्तर

सेवोक-रंगपो रेल परियोजना

361. डॉ. इन्द्रा हांग सुब्बा:

क्या रेल मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

- (क) सेवोक-रंगपो रेलवे परियोजना के पूरा होने की संभावित तिथि क्या है;
- (ख) क्या सरकार को राजधानी शहर गंगटोक को जोड़ने हेतु रेलवे लाइन परियोजना के लिए कोई प्रस्ताव प्राप्त हुआ है या तैयार किया गया है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;
- (ग) क्या सरकार की सेवोक-रंगपो को जोड़ने वाली परियोजना के पूरा होने के बाद वंदे भारत ट्रेन शुरू करने की कोई योजना है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है; और
- (घ) इस परियोजना पर अब तक कुल लागत व्यय का ब्यौरा क्या है और इसके पूरा होने की कुल अनुमानित लागत कितनी है?

उत्तर

रेल, सूचना और प्रसारण एवं इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री

(श्री अश्विनी वैष्णव)

(क) से (घ): विवरण सभा पटल पर रख दिया गया है।

सेवोक-रंगपो रेल परियोजना के संबंध में दिनांक 27.11.2024 को लोक सभा में डॉ. इन्द्रा हांग सुब्बा के अतारांकित प्रश्न सं. 361 के भाग (क) से (घ) के उत्तर से संबंधित विवरण।

(क), (ख) और (घ): रेल मंत्रालय ने सेवोक-रंगपो (44 कि.मी.) नई रेल लाइन परियोजना का कार्य आरंभ कर दिया है। इस परियोजना की अनुमानित लागत 12,132 करोड़ रुपये है। इस परियोजना पर वर्ष 2024-25 के लिए 2330 करोड़ रुपये के परिव्यय के साथ मार्च, 2024 तक 7032 करोड़ रुपये का व्यय किया गया है।

इस परियोजना में लगभग 39 कि.मी. सुरंग बनाने का कार्य है, जिसमें से 36 कि.मी. सुरंग बनाने का कार्य पूरा कर लिया गया है।

रेल परियोजना का पूरा होना राज्य सरकार द्वारा भूमि अधिग्रहण, वन विभाग के पदाधिकारियों द्वारा वानिकी स्वीकृतियां, अतिलंघनकारी जनोपयोगी सेवाओं का स्थानांतरण, विभिन्न प्राधिकरणों से सांविधिक स्वीकृतियां, क्षेत्र की भूविज्ञानी और स्थलाकृतिक परिस्थिति, परियोजना स्थल के क्षेत्र में कानून एवं व्यवस्था की स्थिति, जलवायु परिस्थितियों आदि के कारण परियोजना विशेष स्थल के लिए वर्ष में कार्य करने के महीनों की संख्या जैसे विभिन्न कारकों पर निर्भर करता है।

रेलवे बोर्ड, क्षेत्रीय रेलों, मंडल कार्यालय आदि सहित विभिन्न स्तरों पर राज्य सरकारों, संसद सदस्यों, केन्द्र सरकार के मंत्रालयों, निर्वाचित प्रतिनिधियों, रेलवे की अपनी आवश्यकताओं, संगठनों/रेल उपयोगकर्ताओं आदि द्वारा उठाई गई मांगों के आधार पर देश भर में रेल परियोजनाओं/कार्यों के लिए औपचारिक और अनौपचारिक दोनों प्रकार के प्रस्ताव/अनुरोध/सुझाव/अभ्यावेदन प्राप्त होते हैं। चूंकि, ऐसे प्रस्तावों/अनुरोधों/सुझावों का प्राप्त होना सतत और गतिशील प्रक्रिया है, इसलिए ऐसे अनुरोधों का केन्द्रीकृत सार-संग्रह नहीं रखा

जाता है। बहरहाल, इनकी जांच की जाती है और व्यवहार्य एवं औचित्यपूर्ण पाए जाने पर समय-समय पर कार्रवाई की जाती है।

विस्तृत परियोजना रपट (डीपीआर) तैयार करने के लिए रंगपो-गंगटोक नई लाइन (69 कि.मी.) परियोजना हेतु अंतिम स्थान सर्वेक्षण (एफएलएस) की स्वीकृति दे दी गई है।

(ग): वंदे भरत सेवाओं सहित, गाड़ी सेवाओं की शुरुआत करना, भारतीय रेल में एक सतत् प्रक्रिया है, जो परिचालनिक व्यवहार्यता, यातायात औचित्य, संसाधनों की उपलब्धता आदि के अध्यधीन है।
